



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

/निगरानी/2016 विदिशा

14-1955 F-16

बन्टी शर्मा पुत्र कोमल प्रसाद शर्मा,
निवासी-ग्राम/तहसील-त्यौदा, जिला-विदिशा
.....निगरानीकर्ता

बनाम

म.प्र. शासन

..... अनावेदक

निगरानी आवेदनपत्र धारा 50 म०प्र० भू राजस्व संहिता 1959
के अन्तर्गत प्रस्तुत विरुद्ध आदेश तहसीलदार त्यौदा विदिशा के
प्र. क्र. 12/ए-74/2012-13 आदेश दिनांक 14.06.16 को
पारित।

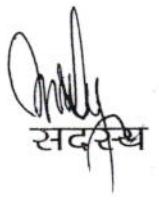
‘माननीय महोदय,

निगरानी के आधार’ निम्न प्रकार पेश है :-

1. यह कि, अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि विधान क्षेत्राधिकार बाह्य होने के कारण निरस्त किये जाने योग्य है।
2. यह कि, अधीनस्थ न्यायालय ने रिकार्ड की सूक्ष्मता से अध्ययन किये बिना जो आदेश पारित किया वह स्थिर रखे जाने योग्य है।
3. यह कि, निगरानी एक गरीब चालार व्यक्ति है जो त्यौदा के निवासी महेश शर्मा की लीज का, मुंशी का काम करता है चूंकि तात्कालिक पटवारी व महेश शर्मा की आपसी रंजिश होने के कारण महेश शर्मा का पक्ष लेने हेतु सम्बन्धित पटवारी से मुंह विवाद होने के कारण निगरानीकर्ता के खिलाफ झूठा उत्थन का केस बनाकर पैनाल्टी (अर्थ दण्ड) का आदेश पारित किया, के विरुद्ध एस.डी.ओ. के यहां अपील पेश की जो खारिज के विरुद्ध अपर आयुक्त भोपाल संभाग के प्रकरण दर्ज होकर कार्यवाही जारी है, के बाद भी तहसीलदार ने वसूली की कार्यवाही शुरू कर दी निगरानीकर्ता ने आवेदन देकर अपर आयुक्त भोपाल के यहां लग्नित प्रकरण की जानकारी दी उसके बाद भी आवेदन दिनांक 14-06-2016 का खारिज कर दिया ऐसा अनुचित, अवैधानिक आदेश होने से स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।
4. यह कि, चूंकि निगरानीकर्ता महेश शर्मा ठेकेदार का मुंशी की नौकरी करता वह कैसे उत्थन कर सकता इस तथ्य को नजर अंदाज कर जो आदेश पारित किया वह अनुचित होने से निरस्त किये जाने योग्य है।
5. यह कि, शेष अन्य तथ्य तर्क के समय निवेदित किये जावेंगे।

अतः माननीय न्यायालय से विनम्र प्रार्थना है कि निगरानी

आवेदनपत्र रवीकार किया जाकर तहसीलदार त्यौदा का आदेश दिनांक

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही अथवा आदेश यह निगरानी तहसीलदार | पक्षकारों एवं अधिकारी आदि के हस्तान्ध |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------|
| <p>४१.६.१६</p>  | <p>त्यौंदा जिला विदिशा ब्दारा प्र०क० १२ ए-७४/१२-१३ में पारित अंतरिम आदेश दिनांक १४-६-१६ के विलम्ब म०प्र०भू राजस्व संहिता, १९५९ की धारा ५० के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदक के अभिभाषक के तर्क सुने तथा तहसीलदार त्यौंदा के अंतरिम आदेश दिनांक १४-६-१६ का अवलोकन किया गया, जिसमें अंकित है कि तहसीलदार के समक्ष यह आपत्ति की गई है कि मूल आदेश के विलम्ब अपर आयुक्त, भोपाल संभागके समक्ष अपील विचाराधीन होने से बसूली की कार्यवाही नहीं की जा सकती है। जब बसूली वावत् दिये गये आदेश के विलम्ब अपर आयुक्त के समक्ष अपील विचाराधीन है तब आवेदक को अपर आयुक्त से रथगन की मांग करना चाहिये थी, जिसके कारण बसूली कार्यवाही रथगित रखे जाने के सम्बन्ध में इस व्यायालय में प्रस्तुत निगरानी में प्रचलन-योग्य एंव सुनवाई योग्य नहीं होने से इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।</p>  <p>सदस्य</p> | |